Note : If you would like to view or download the entire book please go through home page of Jain eLibrary Website – www.jainelibrary.org and register your e-mail id (or sign in if previously registered).

Gunsthankramaroha

Folder No.	002964
Granth Name	Gunsthankramaroha
Author	Vijayshekharsuriji
Publisher	Devchand Lalbhai Jain Pustakoddhar Samstha
Edition	1
Year	1916
Pages	78

गुणस्थानक्रमारोहः

फोल्डर नं.	००२९६४
ग्रन्थ	गुणस्थानक्रमारोहः
लेखक	श्री विजयकेशरसूरिजी
प्रकाशक	श्री देवचन्द्र लालभाई जैन पुस्तकोद्धार संस्था
आवृत्ति	१
प्रकाशन वर्ष	१९१६
पृष्ठ	७८

मुख्य टाइटल
गुणस्थानक्रमारोहोपद्घातः
अनुक्रमणिका

गुणस्थानाभिधानानि ---------- २
मिथ्यात्वगुमस्थाननिरूपणम् ---------- ६
सास्वादनने ---------- ८
मिश्रनि. ---------- ११
विरतिसम्यग्दृष्टिनि. ---------- १६
देशविरतिनि ---------- १८
प्रमत्तनि ---------- २४
अप्रमत्तनि ---------- २८
अपूर्वादिनि---------- २९
ध्यातृस्वरूपम् ---------- ३६
प्राणायामस्व ---------- ४०
शुक्लध्यानाद्यभेदस्व ---------- ४२
अनिवृत्तिस्व ---------- ४४
उपशमकस्वरूपम् ---------- ३४
क्षपकस्वरूपम् ---------- ४६
शुक्लध्यानद्वितीयभेदस्व ---------- ४८
सयोगिस्व ---------- ५८

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

अयोगिस्व ---------- ६२
सिद्धस्य गतिसिद्धि ---------- ६४
सिद्धिस्वरूपम् ---------- ६६
सिद्धिस्वरूपम् ---------- ६८

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org